**दृश्य 6**

**रोशनी। सीता के आभूषणों का पीछा करते हुए राम और लक्ष्मण वन में हैं।**

रमा: मेरे खोज भाई के साथ मेरी मदद करने के लिए धन्यवाद।

लक्ष्मण: यहाँ एक और टुकड़ा राम है। वह अवश्य ही एक निशान छोड़ गई होगी।

राम: हाँ, वह जरूर सीता का कंगन है। देखते रहो।

**हनुमान प्रवेश करते हैं।**

हनुमान: राम, क्या तुम ठीक हो? आप बहुत चिंतित दिख रहे हैं।

राम: हनुमान, मैं हूँ। कुछ गड़बड़ है। सीता मुझसे छीन ली गई है।

हनुमान: अरे नहीं! चिंता मत करो मैं तुम्हारी सहायता करूंगा। आप अपने राम पर नहीं हैं।

**राम, लक्ष्मण और हनुमान मंच से बाहर निकलते हैं।**

कथावाचक ३: हनुमान सीता की खोज में उड़ गए। उसने उसके गहनों के निशान देखे और इस उम्मीद में उसका पीछा किया कि यह राजकुमारी तक ले जाएगा। पगडंडी उसे तूफानी समुद्र के पार लंका द्वीप पर रावण के महल तक ले गई। हनुमान ने सीता को पाया और उन्हें आश्वस्त किया कि वह बच जाएगी।

**राम और लक्ष्मण सीता को खोजते हुए मंच पर वापस आ गए।**

राम/लक्ष्मण : सीता ! सीता! आप कहाँ हैं? सीता! सीता! **(हताशा में)**

**हनुमानप्रवेश**

राम मेंकरते हैं: हनुमान, क्या आपको खबर है?

हनुमान: हाँ, सीता को रावण ने पकड़ लिया है और उन्हें लंका द्वीप पर उनके महल में, जंगली समुद्र के पार रखा जा रहा है।

राम: रावण, राक्षस-राजा? अरे नहीं, क्या वह ठीक है? कृपया मुझे बताएं कि उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है।

हनुमान: वह ठीक है, लेकिन हमें जल्दी करनी चाहिए। मैंने उसे आश्वस्त किया कि हम लौट आएंगे। जल्दी से मेरे पीछे आओ।

**राम, हनुमान और लक्ष्मण मंच से बाहर निकलते हैं और रोशनी करते हैं।**